शैविक फागली कॉलेज में एससीए के अध्यक्ष नियुक्त

कॉलेज प्राचार्य मुकेश शर्मा ने नए कार्यकारिणी को दिलवाई शपथ

अमर उजाला ब्यूरो

शिमला। संस्कृत महाविद्यालय फागली के प्राचार्य डॉ. मुकेश शर्मा ने शनिवार को नए सत्र के लिए मनोनीत एससीए की घोषणा की। नई एससीए को शपथ भी दिलवाई।

नवगठित एससीए में शैविक शर्मा अध्यक्ष, पूनम उपाध्यक्ष, साक्षी महासचिव और साक्षी वर्मा एससीए सह सचिव मनोनीत किया गया। कक्षा प्रतिनिधियों में राहुल शर्मा, अंजली, हर्षित, सौरव, गाथेश्वर शर्मा, रचना, विशाल शर्मा, डिकेंद्रा, श्रीदत्त, निकिता चौहान महिमा वर्मा, ईश्का, वरुण शर्मा, दिव्यांशी शर्मा, हनीश, बरखा, विशाल शर्मा, ओजस्वी और पूजा को कक्षा प्रतिनिधि चुना है।

राजकीय कन्या महाविद्यालय (आरकेएमवी) की कार्यवाहक प्राचार्य डॉ. रुचि रमेश ने मेरिट आधार पर मनोनीत हुई एससीए की घोषणा की। इसमें गीतांजली अध्यक्ष, मोहिनी कुमारी उपाध्यक्ष, नितिका कुमारी महासचिव, पायल सह सचिव चुनी गई हैं। नितिशा, भावना, दोचेन, र्णिका शर्मा, कृतिका शर्मा, दिव्या योति शर्मा, कृति, हिमानी, मधु गी, दामिनी शर्मा, ओजस्वनी शर्मा, ज्योति और मीनाक्षी को सदस्य मनोनीत किया है। जल्द ही नवगठित कार्यकारिणी को शपथ दिलवाई जाएगी।

शिमला के फागली कॉलेज में शपथ लेते एससीए पदाधिकारी। अमर उजाला

कोटशेरा में दिव्यांशु बनी एससीए अध्यक्ष

शिमला। मेरिट आधार पर राजीव गांधी महाविद्यालय में दिव्यांशु को एससीए अध्यक्ष मनोनीत किया गया। प्राचार्य डॉ. अनुपम गर्ग ने नवगठित एससीए की घोषणा में नागेश ठाकुर को उपाध्यक्ष, मोहित शर्मा महासचिव और यामिनी मलिक को सह सचिव मनोनीत किया है।

Scanned with CamScanner

संस्कृत कालेज में पुरानी बिल्डिंग में मिलेगी छात्रावास की सुविधा

50 छात्रों को मिलेगा लाभ; जल्द शुरू होगा कर्मकांड डिप्लोमा, मंगलाच्चारण से सत्र की शुरुआत, पहली बार आएगी नैक की टीम

स्टाफ रिपोर्टर-शिमला

राजकीय संस्कृत कालेज फागली में पहली बार नैक की टीम आने वाली है। कालेज प्रशासन ने इसके लिए रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया पूरी कर ली है। इसके बाद नैक की ओर से कॉलेज को एक यूनिक आईडी प्राप्त हो गई है। इसी आईडी द्वारा कालेज प्रशासन नैक को एमएसआर रिपोर्ट सौंपी जाएगी। जिसके बाद अगले साल मार्च-अप्रैल तक नैक कालेज का दौरा करेगी। फागली में संस्कृत कालेज बनने के बाद कालेज में पहली बार नैक की टीम आएगी। पिछले साल कालेज को अपनी स्थाई बिल्डिंग मिली है। इससे पूर्व संस्कृत कालेज नई बिल्डिंग के नजदीक ही बने एमसी शिमला के भवन में चल रहा था। इसमें कालेज प्रशासन अब छात्रों के लिए होस्टल की सुविधा मुहैया करवाने जा रहा है, जिसमें 50 छात्र रहेंगे। संस्कृत महाविद्यालय फागली में गुरु-शिष्य परंपरा का अनुसरण किया जाता है। छात्र प्राचीन भारतीय गुरु-शिष्य परंपरा को भांति कालेज में आचरण करते हैं। वहीं,

कालेज के शिक्षक भी उसी परंपरा के तहत छात्रों को पढ़ते है। गुरु-शिष्य की परंपरा को जीवित रखने के लिए कालेज शिक्षक साल में कई बार छात्रों को इस परंपरा से अवगत करवाते है। जिसमे गुरु-शिष्य के प्रति तथा शिष्य गुरु के प्रति समर्पित होता है। कालेज का सत्र हर साल मंगलाचरण पाठ से होता है। इसमें इस साल कालेज ने अगस्त के महीने में मंगलाच्चारण पाठ करवाया। इसमें कालेज छात्रों समेत आसपास के सभी विद्वान

लोगों ने भाग लिया। दो दिन तक चले पाठ में छात्रों ने बढ़-चढ़कर अपनी प्रतिभाओं को उजागर किया और संस्कृत के श्लोकों को पढ़ा। महाविद्यालय प्राचार्य डाक्टर मुकेश कुमार ने बताया कि इस सत्र में प्रथम साल में 80 विद्यार्थियों ने दाखिला लिया, जिसके बाद कालेज के सभी छात्र-छात्राओं की संख्या 285 पहुंच गई है। उन्होंने कहा कि हर साल प्रदेश के कोने कोने से छात्र संस्कृत की पढ़ाई करने के लिए महाविद्यालय में पढ़ने आते हैं। कालेज में संस्कृत के पांच विषयों में स्नातक की पढ़ाई करवाई जाती है। इन विषयों में संस्कृत के पांच परंपरागत विषय पढ़ाए जा रहे हैं। इनमें व्याकरण, साहित्य, वेद, दर्शन और ज्योतिष के विषय सम्मिलित है। वहीं, परंपरागत विषयों के अलावा हिंदी, अंग्रेजी व इतिहास जैसे आधुनिक विषयों में छात्र पढ़ाई कर रहे हैं। कालेज प्रबंधन ने बताया कि सरकार से अनुमति मिल जाने के बाद कर्मकांड डिप्लोमा शुरू किया जाएगा, जिसको पढ़कर छात्र स्वरोजगार भी कर सकते है।

कालेज में है अनोखी समितियां

राजकीय संस्कृत कालेज फागली में कालेजों में गठित की जाने आम समितियों के अलावा कई ऐसी भी समितियां गठित की गई है, जो अपने आप में अनोखी है। इनमें रंगोली कमेटी, भोजन कमेटी, स्वच्छता कमेटी और मंच संचालन जैसी कई कमेटियां गठित की गई है। कालेज प्रशासन ने बताया कि इन कमेटियों में छात्र होते है, जिन्हें हर महीने बाद बदल जाता है। इन कमेटियों का मकसद छात्रों को हर गतिविधि में पारंगत बनाना है। प्रत्येक कमेटी के शिक्षक समन्वयक होते है, जिसका काम अपनी-अपनी कमेटियों को अच्छे से चलाना है।

होस्टल के लिए नहीं है अपना भवन

संस्कृत कालेज फागली में कालेज में पास अपनी होस्टल बिल्डिंग नही है। कुछ दिनों में संचालित हो रहा एकमात्र कालेज एमसी शिमला के भवन पर चलेगा। इसके लिए कालेज प्रशासन एमसी को किराया देगा। इससे पूर्व इस इमारत में कालेज चल रहा था, जिसे बीते साल नए भवन में शिफ्ट किया गया है। इसे अब कालेज प्रशासन होस्टल के रूप में इस्तेमाल करेगा। कालेज प्राचार्य डाक्टर मुकेश कुमार शर्मा ने बताया कि एमसी के भवन में शुरू होने वाले होस्टल के लिए कोलेज एमसी को किराया देगा।

Scanned with CamScanner

संस्कृत महाविद्यालय फागली में नए सत्र पर गायत्री महायज्ञ, 31 छात्रों ने किया जाप

शिमला : संस्कृत महाविद्यालय फागली में सत्र आरंभ होने के अवसर पर आयोजित गायत्री महायज्ञ के दौरान मुख्यातिथि महाधिवक्ता अनूप रत्न का स्वागत करते प्रधानाचार्य व (दाएं) इस अवसर पर आयोजित गायत्री महायज्ञ के दौरान आहुति देते प्रधानाचार्य व छात्र। (जरेश)

शिमला, 8 अगस्त (अम्बादत): राजकीय संस्कृत महाविद्यालय फागली शिमला में दो दिवसीय सत्रारंभ सर्व शांति गायत्री अनुष्ठान यज्ञ का आयोजन किया गया। इस यज्ञ के समापन पर महाधिवक्ता उच्च न्यायालय हिमाचल देश सरकार अनूप रत्न बतौर ख्यातिथि उपस्थित रहे। महाविद्यालय प्राचार्य डा. मुकेश शर्मा ने सभी अतिथियों का स्वागत व धन्यवाद किया। इस अनुष्ठान यज्ञ में महाविद्यालय के 31 छात्रों ने सपादलक्ष गायत्री मंत्र का जाप किया।

महाविद्यालय के प्राचार्य डा. मुकेश शर्मा तथा महाविद्यालय के अन्य आचार्य, गैर शिक्षक वर्ग व सभी छात्रों ने यजमान की भूमिका का दायित्व निभाया। आचार्य दिनेश शर्मा ने इस अनुष्ठान यज्ञ पूजा में आचार्यत्व गद्दी पर विराजमान होकर यज्ञ पूजन का सम्पूर्ण विधिवत दायित्व निभाया।

इस उपलक्ष्य पर पूर्व प्राचार्य डा. मस्तराम शर्मा, प्रो. भीष्म गुप्ता महाविद्यालय में अध्ययनरत छात्रों के अभिभावक, स्थानीय वरिष्ठ विद्यालय के सभी शिक्षक, चिकित्सालय के सभी कर्मचारी, स्थानीय विविध विभागों के कर्मचारी, उच्चतर शिक्षा विभाग निदेशालय के कर्मचारी तथा अन्य गण्यमान्य महानुभावों ने अपनी गरिमामय उपस्थिति दर्ज करवाई।

महाविद्यालय के प्राचार्य ने अनूप रत्न को स्मृतिचिन्ह देकर सम्मानित किया। अनूप रत्न ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि सनातन संस्कृति के व्यावहारिक संचार के लिए संस्कृत महाविद्यालय से बेहतर कोई संस्था नहीं हो सकती।

हम सभी का सनातन संस्कृति केवल सिद्धांतों और पुस्तकों तक ही सीमित नहीं रखनी चाहिए। हमें इसे व्यावहारिक रूप देकर तथा अपने जीवन जीने की पद्धति में उतार कर व समानता का भाव रखते हुए एक बेहतर नागरिक बनकर समाज और राष्ट्र के सर्वांगीण विकास में योगदान करना चाहिए।

इसके लिए संस्कृत महाविद्यालय इस तरह के कार्यक्रम करवाकर गुरुकुल पद्धति को जीवित रखते हुए एक आदर्श समाज का निर्माण करने में सक्षम भूमिका निभा सकते हैं। यज्ञ के समापन के उपरांत सभी के लिए भंडारे का प्रावधान किया गया।

महाविद्यालय के आचार्य डा. दिनेश शर्मा, डा. सुनील शर्मा, डा. अजय भारद्वाज, डा. पुरुषोत्तम, प्रो. पूजा, प्रो. सुमन व रोहिणी चौहान ने छात्रों के साथ समस्त व्यवस्था संचालन के दायित्व का निर्वहन किया। यज्ञ में पूर्व छात्र शैविक और गाथेश्वर ने भी भाग लिया।

प्राचार्य ने कहा कि इस तरह के आयोजन महाविद्यालय हर वर्ष करता है, क्योंकि शिक्षा सत्र में किसी प्रकार का विघ्न न आए इस प्रयोजन के लिए महाविद्यालय में यज्ञ अनुष्ठान किया जाता है।

Scanned with CamScanner

भारतीय ज्ञान परंपरा में वैदिक साहित्य का विशेष महत्व : डॉ. कृष्ण

अमर उजाला ब्यूरो

शिमला। हिमाचल कला संस्कृति भाषा अकादमी शिमला ने आचार्य दिवाकर दत्त शर्मा राज्य स्तरीय जयंती समारोह का संस्कृत महाविद्यालय फागली में आयोजन किया गया। इसमें भारतीय ज्ञान परंपरा विषय पर सेमिनार और बहुभाषी कवि सम्मेलन तथा सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गईं।

मुख्य वक्ता डॉ. कृष्ण मोहन पांडेय ने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा में वेद, वैदिक साहित्य, उपनिषद, रामायण, महाभारत, गीता, पुराण और धर्म शास्त्रों का विशेष महत्व है। डॉ. कृष्ण मोहन पांडे ने कहा कि भारत ने विश्व को सदैव अध्यात्म विश्वबंधुत्व, योग और आयुर्वेद का ज्ञान दिया है।

इसका आज भी विश्व समुदाय द्वारा अनुकरण किया जा रहा है। सेमीनार में 20 शोध छात्रों ने शोध पत्र प्रस्तुत किए और अन्य उपस्थित विद्वानों ने परिचर्चा में भाग लिया। शोध प्रस्तुत करने वालों में डॉ. केवल शर्मा, अर्चना शर्मा, राजेश कुमार, अनु देवी शिवानी देवी, रविंद्र कुमार, नरेंद्र कुमार पांडेय शामिल रहे। कविता पाठ में दीप्ति सारस्वत, ओंकार और ओजस्वी ने भाग लिया। समारोह में आचार्य दिवाकर दत्त के परिजनों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में कला संस्कृति एवं भाषा अकादमी के सचिव डॉ. कर्म सिंह, नरेंद्र कुमार, संस्कृत कॉलेज के प्राचार्य डॉ. मुकेश शर्मा आदि ने भी अपने विचार रखे।

फागली कॉलेज शिमला में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य वक्ता कृष्ण मोहन का स्वागत करते अधिकारी। अमर उजाला

Scanned with CamScanner

गेयटी में 'भारत विजयम' नाटक का हुआ मंचन

भास्कर न्यूज | शिमला

शिमला स्थित गेयटी थियेटर में आजादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य पर संस्कृत कॉलेज फागली ने मथुरा प्रसाद दीक्षित रचित भारत विजय नाटक का मंचन किया। इसके साथ-साथ अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए गए। इसके बाद नाटक का आयोजन कॉलेज के 30 छात्रों द्वारा किया गया। जिसमें आजादी के पहले के भारत की स्थिति को दिखाया गया।

कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि हिमाचल के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने शिरकत की। कार्यक्रम का आयोजन संस्कृत कॉलेज फागली और हिमाचल प्रदेश साहित्य भाषा अकादमी द्वारा किया गया। इस अवसर पर राज्यपाल ने कहा कि प्रदेश सरकार ने संस्कृत को राज्य की दूसरी राजभाषा का दर्जा देकर अच्छी पहल की है, लेकिन अब हम सबको मिलकर संस्कृत को आगे बढ़ाना है।

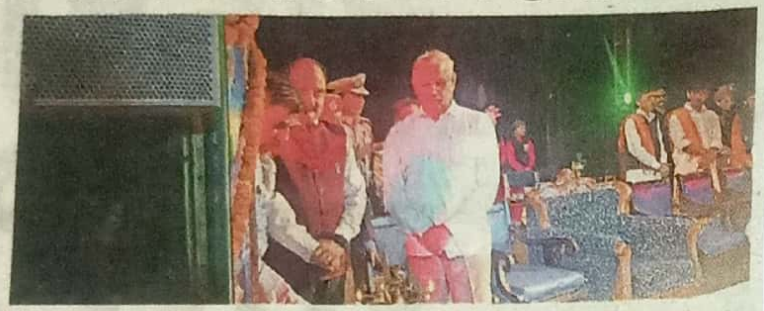

गेयटी में कार्यक्रम का शुभारंभ करते राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर।

इसके प्रचलन को बढ़ाने के लिए संभाषण शिविरों में सहभागी बनने की आवश्यकता है। उन्होंने जानकारी दी कि राजभवन में भी संस्कृत संभाषण शिविर के माध्यम से संस्कृत को प्रोत्साहन दिया जा रहा है। संस्कृत के शब्द देश के हर राज्य में बोले जाने वाली भाषाओं व उपभाषाओं में मिलते हैं। अंग्रेजों ने देश की एकता को खंडित करने वाले हमारे जो भी साधन थे उन पर आघात पहुंचाया। संस्कृत भाषा भी उनमें से एक थी।

देश की गुलामी से पूर्व भारत की आर्थिक समृद्धि और साक्षरता के आंकड़े प्रस्तुत करते हुए कहा कि हम हर दृष्टि से समृद्ध और संपन्न थे। उन्होंने शिक्षा की गुणात्मकता के लिए संस्कृत के प्रादुर्भाव पर बल दिया।

नाटक का मंचन

शिमला : गेयटी थिएटर में संस्कृत महाविद्यालय फागली के छात्र संस्कृत में भारत विजयम नाटक का मंचन करते हुए। (नरेश)

Scanned with CamScanner

संस्कृत में हुआ भारत विजयम नाटक का मंचन, स्वतंत्रता की कहानी दिखाई

मुख्य अतिथि राज्यपाल बोले, हम सबको मिलकर संस्कृत को आगे बढ़ाना है

जागरण टीम, शिमला : राजधानी शिमला के ऐतिहासिक गेयटी थियेटर में वीरवार को 'भारत विजयम' संस्कृत नाटक का मंचन किया गया। आजादी के अमृत महोत्सव के तहत संस्कृत महाविद्यालय फागली और हिमाचल संस्कृत अकादमी ने यह आयोजन किया। राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर भी कार्यक्रम में पहुंचे। उच्च शिक्षा विभाग के निदेशक डा. अमरजीत शर्मा ने राज्यपाल को सम्मानित किया। नाटक के कथाकार मथुरा प्रसाद दीक्षित हैं और निर्देशन विनोद शर्मा ने किया है।

राज्यपाल ने कहा कि प्रदेश सरकार ने संस्कृत को राज्य की दूसरी राजभाषा का दर्जा देकर अच्छी पहल की है, लेकिन अब हम सबको मिलकर संस्कृत को आगे बढ़ाना है। इसके प्रचलन को बढ़ाने के लिए संभाषण शिविरों में सहभागी बनने की आवश्यकता है। राजभवन में भी संस्कृत संभाषण शिविर के माध्यम से संस्कृत को प्रोत्साहन दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि संस्कृत के शब्द देश के हर राज्य में बोले जाने वाली भाषाओं व उपभाषाओं में मिलते हैं। उन्होंने कहा कि अंग्रेजों ने देश की एकता को खंडित करने के लिए हमारे जो भी साधन थे उन पर आघात पहुंचाया। संस्कृत भाषा भी उनमें से एक थी। उन्होंने कहा कि देश की गुलामी से पूर्व हम हर दृष्टि से समृद्ध और संपन्न थे। आजादी के अमृत महोत्सव पर शिक्षा विभाग कई कार्यक्रम आयोजित कर रहा है।

गेयटी थियेटर में कार्यक्रम के दौरान राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर सभागार में संबोधित करते हुए ● जागरण

नाटक का मंचन संस्कृत महाविद्यालय फागली के विद्यार्थियों ने किया। नाटक में आजादी के 10 वर्ष पूर्व ही अंग्रेजों के भारत छोड़ने का वर्णन किया। इस नाटक में अंग्रेजी राज में भारत की स्थिति और अंत में महात्मा गांधी के हाथों में शासन सूत्र देकर अंग्रेजों के चले जाने का दृश्य दिखाया। संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय वाराणसी के पूर्व कुलपति पद्मश्री प्रो. अभिराज राजेंद्र मिश्र, प्रो. केशव राम शर्मा, राजकीय संस्कृत महाविद्यालय फागली के प्राचार्य डा. मुकेश शर्मा भी इस अवसर पर उपस्थित रहे।

गेयटी थियेटर शिमला में 'भारत विजयम' नाटक का मंचन करते कलाकार ● जागरण

शिमला-सोलन-सिरमौर की खबरें
www.jagran.com पर पढ़ें

Scanned with CamScanner

घंडल में संस्कृत अकादमी खोलने का जल्द होगा प्रयास : विक्रमादित्य

संस्कृत कॉलेज फागली के समारोह में किया एलान, मेधावी किए सम्मानित

अमर उजाला ब्यूरो

शिमला। लोक निर्माण एवं खेल मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने कहा कि घंडल में संस्कृत अकादमी जल्द खोलने का प्रयास होगा। वह राजधानी शिमला के संस्कृत महाविद्यालय फागली के शनिवार को आयोजित वार्षिक समारोह में बोल रहे थे।

उन्होंने कॉलेज छात्र-छात्राओं द्वारा उठाई गई समस्याओं को जल्द दूर करने का भरोसा दिया। उन्होंने लोक निर्माण विभाग को जल्द कॉलेज की चार दिवारी का कार्य शुरू करने के निर्देश भी दिए। इसके अलावा उन्होंने कॉलेज में पीजी कक्षाएं शुरू करने के मामले को शिक्षा विभाग के समक्ष उठाने का आश्वासन दिया।

विक्रमादित्य सिंह ने कहा कि संस्कृत कॉलेज ने सुविधाओं के अभाव के बावजूद अपनी एक पहचान बनाई है। कहा कि कॉलेज के नए भवन और परिसर की नींव पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय वीरभद्र सिंह ने रखी थी। आज कॉलेज को एक आलीशान भवन मिला है।

उन्होंने समारोह में पेश किए गए रंगारंग कार्यक्रम के लिए 25 हजार की राशि भेंट की। प्राचार्य मुकेश शर्मा ने मुख्यातिथि का स्वागत किया। इस दौरान मुख्यातिथि ने डॉ. मनोहर लाल शर्मा और शुभम दीक्षित द्वारा लिखित पुस्तक का विमोचन भी किया।

समारोह में शिमला शहरी के विधायक हरीश जनारथा, शिक्षक केशव राम शर्मा, डॉ. मनोहर लाल आर्य, डॉ. रामानंद शर्मा, डॉ. मस्त राम शर्मा, आचार्य ओम प्रकाश राही, विनोद शर्मा सहित सभी शिक्षक और विद्यार्थी मौजूद रहे।

संस्कृत कॉलेज फागली के सालाना समारोह में मेधावी को नवाजते मंत्री विक्रमादित्य सिंह। -संवाद

डॉ. मनोहर लाल और शुभम दीक्षित की लिखित पुस्तक का भी किया विमोचन

समारोह में ये विद्यार्थी किए गए सम्मानित

शिमला। कॉलेज के वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह में मुख्य अतिथि ने शैक्षणिक गतिविधियों के लिए शैविक शर्मा, पूनम, साक्षी, अंकुश, निशांत शर्मा, श्वेता शर्मा, शैविक शर्मा, राहुल, पूजा, पूनम, ओंकार, ललित मोहन, अंकुश और साक्षी को सम्मानित किया। खेलकूद में विशाल, वरुण, योगराज, आशीष, अभिषेक, पीयूष निखिल, विशाल शर्मा, अखिलेश, अक्षय, साहिल, मुस्कान, प्रिया,अंकिता शर्मा, ज्वहानवी, दिव्या, मन्नत, बरखा, पूनम, महिमा, सलोनी, वंशिका, विशाल, ओजस्वी, हर्ष चैतन्य, राहुल, निशांत, चेतन, नितिन, सौरभ, अमन, अजय पंकज, रमन, कार्तिक रक्षित सहित अन्य को पुरस्कार दिए गए। ब्यूरो

Scanned with CamScanner

शहर के कालेजों में एस.सी.ए. गठित

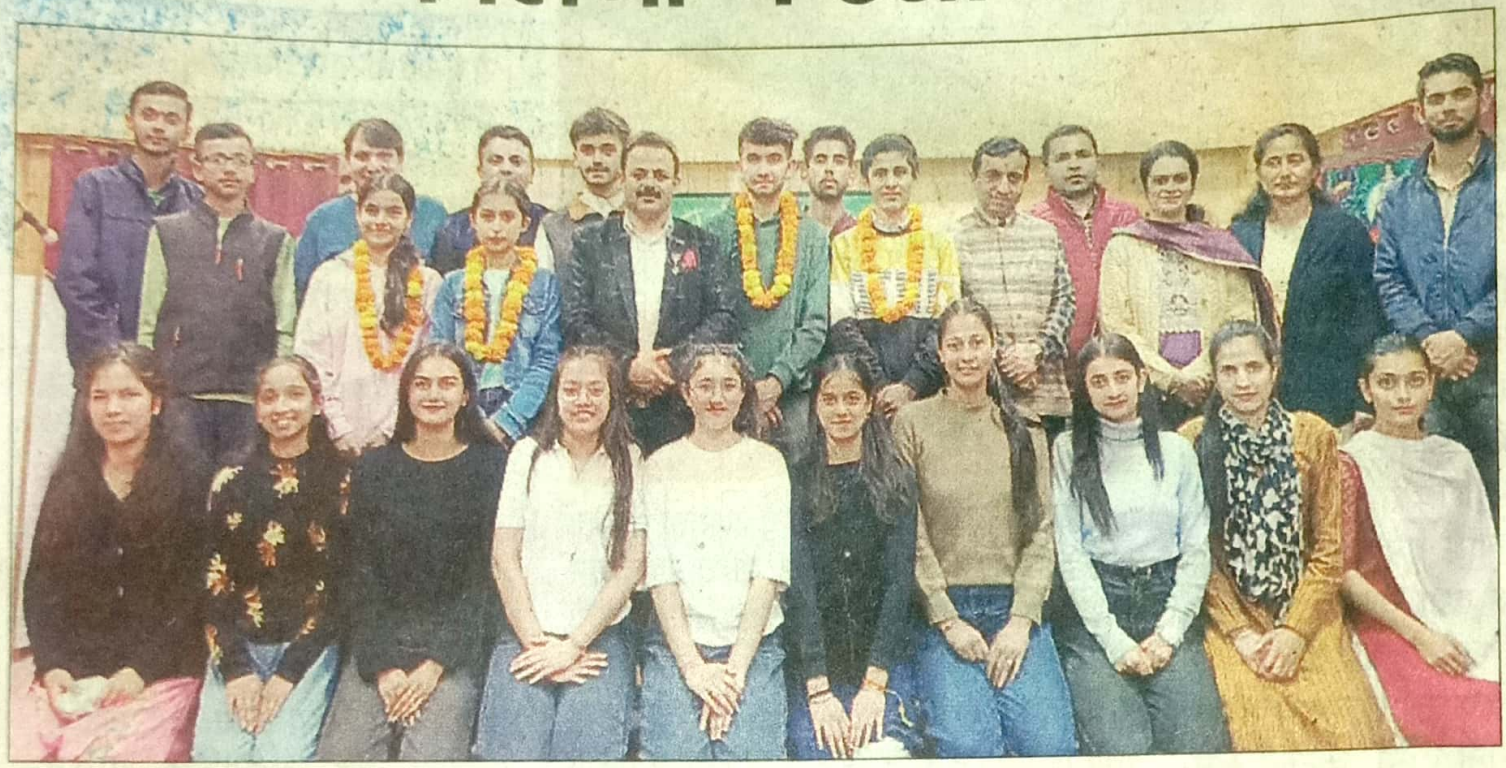

शिमला : राजकीय संस्कृत महाविद्यालय फागली में नवगठित एस.सी.ए. के पदाधिकारी संयुक्त चित्र में। (नरेश)

उधर, राजधानी शिमला के विभिन्न महाविद्यालयों में शनिवार को एस.सी.ए. का गठन किया गया। राजकीय संस्कृत महाविद्यालय फागली में नवनिर्वाचित छात्र संघ (एस.सी.ए.) पदाधिकारियों एवं प्रतिनिधियों को महाविद्यालय के प्राचार्य डा. मुकेश शर्मा ने शपथ दिलाई। इस कार्यकारिणी में महाविद्यालय के शिक्षक एव गैर-शिक्षक ने अपनी उपस्थिति दी। महाविद्यालय के प्राचार्य डा. मुकेश शर्मा ने महाविद्यालय में अध्यक्ष पद पर शैविक शर्मा, उपाध्यक्ष पूनम, महासचिव साक्षी, सह सचिव साक्षी वर्मा को छात्र संघ के संविधान की शपथ दिलाई। इसी के साथ सभी कक्षा प्रतिनिधि, सांस्कृतिक प्रतिनिधि, क्रीड़ा प्रतिनिधि, पर्यटन प्रकोष्ठ प्रतिनिधि, महिला प्रकोष्ठ प्रतिनिधि, स्वच्छता प्रभारी, ईको क्लब प्रतिनिधि, सड़क सुरक्षा प्रतिनिधि, रैड रिबन प्रतिनिधि व प्रतिनिधियों को छात्र संघ अध्यक्ष ने शपथ दिलाई।

इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य ने छात्र संघ का महत्व एवं लोकतंत्र में छात्रों के सक्रिय सहभागिता स्वस्थ लोकतंत्र के लिए और राष्ट्र के लिए अनिवार्य बताया। कार्यक्रम का संचालन निर्वाचन अधिकारी डा. अजय भारद्वाज ने किया। इसके अलावा कोटशेरा कॉलेज में एस.सी.ए. प्रधान दिव्यांशू, उपप्रधान नागेश ठाकुर, सचिव मोहित शर्मा और संयुक्त सचिव यामनी मलीक को नियुक्त किया गया।

इसी प्रकार जवाहरलाल नेहरू फाइन आर्ट्स महाविद्यालय में एस.सी.ए. केंद्रीय छात्र परिषद 2022 के लिए मैरिट बेस पर नई कार्यकारिणी का गठन किया गया, जिसमें तनमा ठाकुर को प्रधान, रजत चौहान को उपप्रधान, आयुष को सचिव और सोनिया को संयुक्त सचिव नियुक्त किया गया।

आर.के.एम.वी. में गीतांजलि प्रधान, मोहिनी कुमारी उपप्रधान, नितिका कुमार सचिव व पायल सह सचिव नियुक्त की गई। बता दें कि फागली कॉलेज के अलावा अन्य किसी भी कॉलेज में नव नियुक्त एस.सी.ए. को शपथ नहीं दिलाई गई। यह शपथ आने वाले दिनों में कॉलेज प्रशासन की ओर से दिलाई जाएगी।

Scanned with CamScanner

संस्कृत महाविद्यालय फागली में किया पौधरोपण

सिटी रिपोर्टर ■ शिमला

राजकीय संस्कृत महाविद्यालय फागली में नेशनल ग्रीन कॉप्स ईको क्लब कार्यक्रम के तहत एक पेड़ कॉलेज के नाम अभियान के तहत पौधरोपण किया गया। इस अभियान में महाविद्यालय के सभी विद्यार्थियों ने भाग लिया। इस अभियान के तहत वन विभाग से विभिन्न प्रकार के पेड़-पौधे प्राप्त हुए थे। और उन्हें विद्यार्थियों एवं शिक्षकों के सहयोग से महाविद्यालय परिसर के आसपास रोपित किया गया।

■ छात्रों ने कॉलेज के आसपास पड़ी गंदगी को भी किया साफ

महाविद्यालय परिसर के आस-पास जितनी भी गंदगी व कूड़ा-कचरा एकत्रित था उसे भी विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने मिलकर साफ किया। इस

अभियान के तहत महाविद्यालय के संयोजक आचार्य विनोद कुमार ने विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण एवं वन संरक्षण से संबंधित जानकारी दी। इस कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉक्टर मुकेश कुमार ने भी पर्यावरण संरक्षण संबंधी संदेश दिया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. मुकेश शर्मा ने कहा कि वेदों में जल, पृथ्वी, अग्नि, वनस्पति, अंतरिक्ष, व आकाश, आदि के प्रति असीम श्रद्धा प्रकट की गई है। तत्वदर्शी ऋषियों के निर्देश के अनुसार जीवन व्यतीत करने पर पर्यावरण संतुलन की समस्या ही उत्पन्न नहीं हो सकती।

Scanned with CamScanner

संस्कृत महाविद्यालय फागली में 3 दिवसीय यज्ञानुष्ठान के साथ नूतन भवन में सत्रारंभ

शिमला : संस्कृत महाविद्यालय फागली में यज्ञानुष्ठान के दौरान संबोधित करते मुख्यातिथि। (नरेश)

शिमला, 23 अगस्त (ब्यूरो): राजकीय संस्कृत महाविद्यालय फागली में 21 से 23 अगस्त तक नूतन भवन में सत्रारंभ के लिए 3 दिवसीय यज्ञानुष्ठान का आयोजन किया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य डा. मुकेश शर्मा तथा समस्त आचार्यों व गैर-शिक्षक वर्ग के कर्मचारियों तथा विद्यार्थियों ने पूजा व यज्ञ में अपनी श्रद्धा पूर्ण उपस्थिति दर्ज की। इस पूजा व यज्ञ का वैदिक मंत्रों से वाचन आचार्य विनोद शर्मा, नवीन शर्मा व वेद विभाग के छात्रों के मुखारबिंद से किया गया। आचार्य विनोद शर्मा के सान्निध्य में 21 ब्राह्मणों द्वारा सपादलक्ष गायत्री जाप किया गया तथा महाविद्यालय के प्राचार्य डा. मुकेश शर्मा मुख्य यजमान के रूप में विराजमान रहे।

इस भव्य अनुष्ठान का शुभारंभ 21 अगस्त को सुबह 11 बजे किया गया, जिसमें महाविद्यालय के प्राचार्य सहित सभी अध्यापकगण उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन भव्य यज्ञ के साथ संपूर्ण हुआ, जिसमें आसपास के विशिष्ट व्यक्तियों सहित महाविद्यालय के सभी प्राध्यापक तथा छात्र उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त इस शुभ अवसर पर डा. लोकिंद्र शर्मा, चिकित्सा अधीक्षक दीनदयाल उपाध्याय चिकित्सालय शिमला व डा. ओम प्रकाश शर्मा संयोजक नशा निवारण निगम हि.प्र. भी उपस्थित रहे।

महाविद्यालय के प्राचार्य डा. मुकेश शर्मा ने कहा कि संस्कृत महाविद्यालय फागली संस्कृत के बचाव एवं विकास के लिए सदैव इस प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन करता रहेगा तथा साथ ही महाविद्यालय के प्राचार्य मुकेश ने इस यज्ञ एवं अनुष्ठान में भाग लेने वाले सभी दर्शकों का धन्यवाद किया। महाविद्यालय के छात्र शैविक शर्मा तथा गाथेश्वर शर्मा ने बताया कि संस्कृत महाविद्यालय फागली का भवन हमें बहुत संघर्षों के बाद मिला है तथा इसी वर्ष इस भवन का उद्घाटन किया गया है। ऐसे में सनातन धर्म के अनुसार महाविद्यालय में सत्रारंभ और नूतन भवन में प्रवेश के लिए इस अनुष्ठान का आयोजन करवाया गया है। उन्होंने बताया कि इस महाविद्यालय के सभी छात्रों ने इस कार्यक्रम में बढ़-चढ़ कर भाग लिया तथा कार्यक्रम को सफल किया।

Scanned with CamScanner

सरकार ने संस्कृत को दूसरी राजभाषा का दर्जा देकर की अच्छी पहल : राज्यपाल

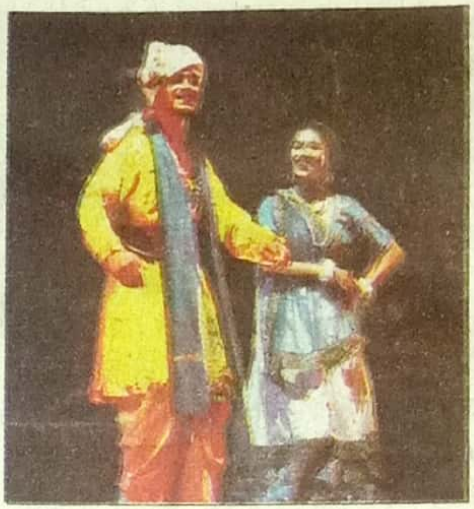

शिमला : हिमाचल संस्कृत अकादमी द्वारा गेयटी थिएटर में आयोजित कार्यक्रम के दौरान राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर को स्मृति चिन्ह भेंट करते अधिकारी व (दाएं) नाटक का मंचन करते छात्र। (नरेश)

गेयटी थिएटर में भारत विजयम नाटक का मंचन

शिमला, 8 सितम्बर (ब्यूरो): प्रदेश सरकार ने संस्कृत को राज्य की दूसरी राजभाषा का दर्जा देकर अच्छी पहल की है लेकिन अब हम सबको मिलकर संस्कृत को आगे बढ़ाना है। यह बात प्रदेश के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर ने राजकीय संस्कृत महाविद्यालय फागली और हिमाचल संस्कृत अकादमी के संयुक्त तत्वावधान में शिमला के ऐतिहासिक गेयटी थिएटर में संस्कृत में भारत विजयम नाटक के मंचन में बतौर मुख्यातिथि शिरकत करने के बाद मीडिया से बातचीत में कही।

इस अवसर पर राज्यपाल ने कहा कि इसके प्रचलन को बढ़ाने के लिए संभाषण शिविरों में सहभागी बनने की आवश्यकता है। उन्होंने जानकारी दी कि राजभवन में भी संस्कृत संभाषण शिविर के माध्यम से संस्कृत को प्रोत्साहन दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि संस्कृत के शब्द देश के हर राज्य में बोले जाने वाली भाषाओं व उपभाषाओं में मिलते हैं। संस्कृत को बढ़ावा देने के लिए प्रदेश सरकार ने अनेक महत्वपूर्ण पग उठाए हैं तथा हाल ही में 2 नए संस्कृत कालेज अधिसूचित किए हैं।

उन्होंने आशा व्यक्त की कि शीघ्र ही प्रदेश का अपना संस्कृत विश्वविद्यालय भी होगा। हिमाचल प्रदेश संस्कृत अकादमी के सचिव डा. केशवानंद कौशल ने राज्यपाल का स्वागत किया। नाटक के कथाकार मथुरा प्रसाद दीक्षित रहे और नाटक का निर्देशन विनोद शर्मा ने किया। यह नाटक आजादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में तैयार किया गया था।

नाटक में सभी पात्र राजकीय संस्कृत महाविद्यालय फागली के शास्त्री कक्षा के छात्र-छात्राएं थे। महामहोपाध्याय मथुरा प्रसाद दीक्षित ने भारत विजयम नाटक में आजादी के 10 वर्ष पूर्व ही अंग्रेजों के भारत छोड़ने का वर्णन किया था। इस नाटक में अंग्रेजी राज में भारत की स्थिति वीर सपूतों का स्वातंत्र्ययुद्ध और अंत में महात्मा गांधी के हाथों में शासन सूत्र देकर अंग्रेजों के चले जाने का दृश्य दिखाया गया है। सम्पूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय वाराणसी के पूर्व कुलपति पद्मश्री प्रो. अभिराज राजेंद्र मिश्र, सारस्वत अतिथि प्रो. केशव राम शर्मा, राजकीय संस्कृत महाविद्यालय फागली के प्राचार्य डा. मुकेश शर्मा तथा अन्य गण्यमान्य व्यक्ति भी इस अवसर पर उपस्थित थे।

Scanned with CamScanner

गेयटी थियेटर में भारत विजयम नाटक का मंचन

राज्यपाल विश्वनाथ आर्लेकर ने बतौर मुख्यातिथि की शिरकत, संस्कृत को आगे बढ़ाने की आवश्यकता पर दिया जोर

स्टाफ रिपोर्टर–शिमला

राजकीय संस्कृत महाविद्यालय फागली और हिमाचल संस्कृत अकादमी के संयुक्त तत्वावधान में शिमला के ऐतिहासिक गेयटी थियेटर में संस्कृत में भारत विजयम नाटक का मंचन किया गया। इस मौके पर राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की। नाटक के कथाकार मथुरा प्रसाद दीक्षित थे और नाटक का निर्देशन विनोद शर्मा ने किया था। यह नाटक आजादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में तैयार किया गया था। इस अवसर पर राज्यपाल ने कहा कि प्रदेश सरकार ने संस्कृत को राज्य की दूसरी राजभाषा का दर्जा देकर अच्छी पहल की है, लेकिन अब हम सबको मिलकर संस्कृत को आगे बढ़ाना है। इसके प्रचलन को बढ़ाने के लिए संभाषण शिविरों में सहभागी बनने की आवश्यकता है। राजभवन में भी संस्कृत संभाषण शिविर के माध्यम से संस्कृत को प्रोत्साहन दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि संस्कृत के

शब्द देश के हर राज्य में बोले जाने वाली भाषाओं व उपभाषाओं में मिलते हैं। उन्होंने कहा कि अंग्रेजों ने देश की एकता को खंडित करने वाले हमारे जो भी साधन थे, उन पर आघात पहुंचाया। संस्कृत भाषा भी उनमें से एक थी। देश की गुलामी से पूर्व भारत की आर्थिक समृद्धि और साक्षरता के आंकड़े प्रस्तुत करते हुए कहा कि हम हर दृष्टि से समृद्ध और संपन्न थे। इससे पूर्व, उच्च शिक्षा निदेशक डाक्टर अमरजीत शर्मा ने राज्यपाल को सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि आजादी के अमृत महोत्सव के अवसर पर शिक्षा विभाग द्वारा कई कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, ताकि हमारे गौरवशाली इतिहास के बारे में विद्यार्थियों को जानकारी मिल सके। उन्होंने कहा कि संस्कृत को बढ़ावा देने के लिए प्रदेश सरकार ने कई कदम उठाए हैं तथा हाल ही में दो नए संस्कृत कालेज अधिसूचित किए हैं। इस दौरान हिमाचल प्रदेश संस्कृत अकादमी के सचिव डाक्टर केशवानंद कौशल ने राज्यपाल का स्वागत किया। नाटक में सभी पात्र राजकीय संस्कृत महाविद्यालय फागली के शास्त्री कक्षा के छात्र–छात्राएं थे।

Scanned with CamScanner

राज्यपालस्य उपस्थितौ शिमलायाः गेयटी सभागारे भारतविजयम् नाटकस्य मञ्चनम्

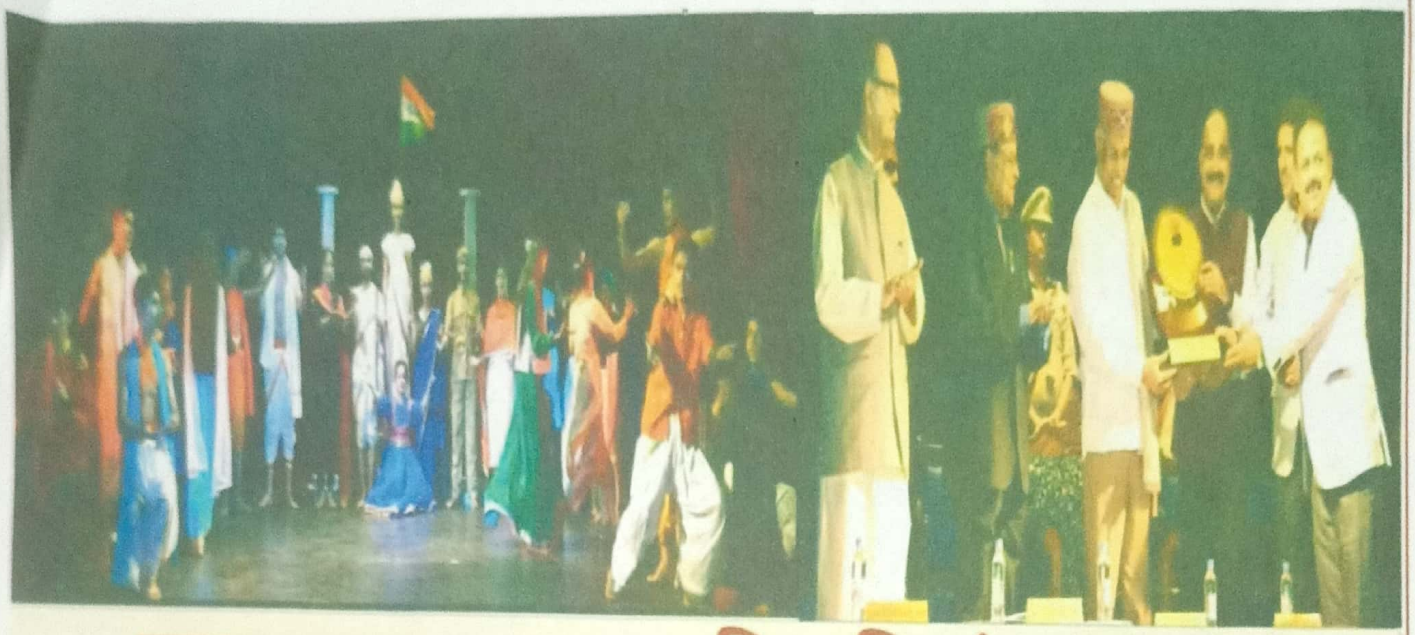

राजभवनस्य भाषा भविष्यति संस्कृतम्- राज्यपालः राजेन्द्रविश्वनाथ-अर्लेकरः

हिमसंस्कृतवार्ताः- डॉ.अमनदीपशर्मा।

हिमाचलप्रदेशस्य राजधान्यां शिमलायां गुरुवासरे प्रदेशस्य राज्यपालः राजेन्द्रविश्वनाथ- आर्लेकरः मुख्यातिथित्वेन हिमाचल- संस्कृत- अकादम्याः संस्कृतनाट्याभिमञ्चनं कार्यक्रमे उपस्थितः अभवत्। कार्यक्रमेऽस्मिन् संस्कृतमहाविद्यालयः, फागली इत्यस्य छात्रैः संस्कृतविद्वान् महामहोपाध्याय पं. मथुराप्रसाददीक्षितद्वारा विरचितस्य भारतविजयम् इति नाटकस्य मञ्चनं कृतम्। वस्तुतः नाटमिदं १८५७ तः १९४७ मध्यकालस्य स्वतन्त्रता संग्रामस्य वर्णनमुपस्थाप्यति। भारतेन्दु- नाट्य- अकादम्यां प्रशिक्षकेन आचार्य विनोदशर्मणा एतस्य नाटकस्य निर्देशनं कृतम्। कार्यक्रमस्य अध्यक्षता डॉ. अमरजीतशर्मणा निदेशकः, उच्यतर- शिक्षा- निदेशालयः, शिमला इत्यनेन कृता, तत्रैव विशिष्टातिथिषु पद्मश्री प्रो. अभिराजराजेन्द्रमिश्रः पूर्वकुलपतिः सम्पूर्णानन्द- संस्कृत- विश्वविद्यालयः, राष्ट्रपतिपुरस्कृतः महामहोपाध्यायः आचार्यकेशवरामशर्मा (आधुनिकः कालिदासः), पूर्वसंस्कृतविशेषाधिकारिः कुमारसिंहसिसोदिया इत्यादयः मूर्धन्यः विद्वान्सः समुपस्थिताः आसन्। कार्यक्रमस्य संयोजकेन संस्कृत- अकादम्याः सचिवेन डॉ. केशवानन्दकौशलेन समेषां धन्यवादं विज्ञापयता कथितं यत् स्वतन्त्रतायाः अमृतमहोत्सवे आयोजितः अयं कार्यक्रमः निश्चयेन भविष्ये प्रदेशे संस्कृतनाट्यकलायाः विकासयात्रायाः गाथा लेखिष्यति। कार्यक्रमेऽस्मिन् संस्कृतमहाविद्यालयः फागली इत्यस्य प्राचार्येण डॉ. मुकेशशर्मणा समेषां धन्यवादः ज्ञापितः।

Scanned with CamScanner

शिमलाकेसरी

शनिवार SATURDAY 13 अगस्त 2022

हर घर तिरंगा अभियान के तहत निकाली यात्रा व प्रभात फेरी

शिमला : संस्कृत महाविद्यालय के विद्यार्थी तिरंगा यात्रा निकालते हुए व (दाएं) हर घर तिरंगा कार्यक्रम पर रैली निकालते कोटी कालेज के विद्यार्थी। (नरेश)

शिमला, 12 अगस्त (ब्यूरो): शिमला के राम मंदिर से लोअर बाजार होते हुए माल रोड से वापस राम मंदिर तक तिरंगा प्रभात फेरी निकली, जिसमें स्थानीय लोगों ने हाथ में तिरंगा लेकर भाग लिया। इस यात्रा का नेतृत्व शहरी विकास मंत्री सुरेश भारद्वाज ने किया। भारद्वाज ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर देशभर में [illegible] तिरंगा अभियान [illegible] की भावना को मजबूत कर रहा है। शिमला शहर में इस कार्यक्रम की शुरूआत 9 अगस्त से की गई। उन्होंने कहा कि आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत हर घर तिरंगा अभियान शुरू किया गया है, जो 13 से 15 अगस्त तक चलाया जाएगा। उन्होंने कहा कि 13 से 15 अगस्त तक राज्य और देश के सभी नागरिक आगे आएं और अपने घरों पर तिरंगा लगाएं। शहरी विकास मंत्री ने कहा कि शिमला शहर में स्मार्ट सिटी के तहत बने प्रोजैक्ट्स में भी 13 से 15 अगस्त के बीच में तिरंगा फहराया जाएगा।

उधर, यूको बैंक अंचल कार्यालय शिमला द्वारा हर घर तिरंगा अभियान को सफल बनाने के उद्देश्य से एजी चौक से एक रोड शो निकाला गया। रोड शो के दौरान हर घर तिरंगा एवं वंदे मातरम् के नारों के साथ यूकोजन ने लोगों में तिरंगा वितरित किया और सभी को अपने घरों पर तिरंगा लगाने, फहराने का संदेश दिया। रोड शो का नेतृत्व एस.एस. नेगी उपमहाप्रबंधक एवं अंचल प्रमुख शिमला ने किया।

शिमला के सैंट थॉमस स्कूल में आज देश की आजादी का 75वां अमृत महोत्सव मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय की प्रधानाचार्या विधुप्रिया चक्रवर्ती ने तिरंगा फहराया। आजादी की 75वीं वर्षगांठ मनाने के लिए कक्षा नर्सरी से 12वीं कक्षा तक के छात्र-छात्राओं ने भाग लिया।

वहीं, राजकीय संस्कृत महाविद्यालय फागली शिमला में आजादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य पर तिरंगा यात्रा व प्रभात फेरी का संचालन किया गया। यह तिरंगा यात्रा व प्रभात फेरी महाविद्यालय परिसर से महाविद्यालय के प्राचार्य डा. मुकेश शर्मा के तत्वावधान में प्रारंभ हुई। तिरंगा यात्रा व प्रभात फेरी फागली, नाभा व 103 से होते हुए क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी कार्यालय तक चली और इसी क्रम में वापस महाविद्यालय पहुंची।

उधर, हर घर तिरंगा के अमृत महोत्सव और अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर शुक्रवार को राजकीय डिग्री कालेज कोटी के विद्यार्थियों ने जागरूकता रैली निकाल कर राष्ट्र की एकता व अखंडता का संदेश दिया।

कुमारसैन : एस.एस.बी. जवान व स्कूली बच्चे रैली निकालते हुए। (सोनी)

कुमारसैन (सोनी) : उपमंडल मुख्यालय कुमारसैन में शुक्रवार को आजादी के अमृत महोत्सव के मौके पर सशस्त्र सीमा बल अतिरिक्त प्रशिक्षण केन्द्र कुमारसैन के कार्यवाहक कमांडैंट आर.के. कुंभारे की अध्यक्षता में एस.एस.बी. जवानों व स्थानीय स्कूलों के बच्चों ने हर घर तिरंगा कार्यक्रम में एक रैली का आयोजन किया। इस अवसर पर जय बिहारी लाल खाची राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला कुमारसैन, सरस्वती विद्या मंदिर स्कूल, कोटेश्वर पब्लिक स्कूल के बच्चों ने दरबार मैदान से मैन बाजार, बस स्टैंड से एस.डी.एम. ऑफिस तक रैली का आयोजन किया।

रिकांगपिओ (रिपन) : आजादी के 75वें अमृत महोत्सव पूर्ण होने के उपलक्ष्य पर केंद्र सरकार की ओर से देश भर में तिरंगा यात्रा का आयोजन किया जा रहा है वहीं शुक्रवार को किन्नौर जिले में भाजयुमो किन्नौर, ठाकुर सेन नेगी राजकीय महाविद्यालय रिकांगपिओ के विद्यार्थियों व होमगार्ड के जवानों ने जिला मुख्यालय रिकांगपिओ में तिरंगा यात्रा निकाली। भाजयुमो किन्नौर द्वारा उपतहसील टापरी से किन्नौर मुख्यालय रिकांगपिओ तक प्रदेश वन विकास निगम के उपाध्यक्ष सूरत नेगी की अध्यक्षता में तिरंगा यात्रा निकाली गई।

CS Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

सफलता कर नवाचार पुस्तिकाएं ...

किए जा चुके हैं।

सभा की दुट्टू इकाई क

फागली कालेज में 70 बच्चों का रक्त जांचा, कुछ में पाया अनीमिया

शिमला : फागली में इन्नरव्हील क्लब द्वारा आयोजित रक्त जांच शिविर के दौरान रक्त के सैंपल लेते स्वास्थ्य कर्मी। (नरेश)

शिमला, 7 अक्तूबर (ब्यूरो): इन्नरव्हील क्लब शिमला द्वारा राजकीय संस्कृत महाविद्यालय फागली में रक्त जांच शिविर का आयोजन किया गया। इन्नरव्हील क्लब शिमला ने इस वर्ष बच्चों और किशोरावस्था लड़कियों में अनिमिया के खिलाफ मुहिम शुरू की है। इसके तहत शुक्रवार को इन्नरव्हील क्लब शिमला ने राजकीय संस्कृत महाविद्यालय फागली शिमला में लगभग 70 बच्चों की रक्त जांच की गई। जिसमें कुछ एक में अनिमिया पाया गया। शिविर में डा. मंजू सूद आई.जी.एम.सी. शिमला ने अपना विशिष्ट व्याख्यान दिया और महाविद्यालय के समस्त छात्रों को अनिमिया के लक्षण और दुष्प्रभाव से अवगत करवाया।

डा. मंजु सूद का व्याख्यान बहुत प्रेरणादायक रहा। जिन छात्राओं को एनिमिया के लक्षण पाए गए उन्हें दवाइयां दी गईं। इस शिविर का आयोजन 3 महीने बाद पुनः किया जाएगा। इस अवसर पर क्लब की प्रधान डा. अलका शर्मा, क्लब के अन्य सदस्य गण तथा महाविद्यालय के प्राचार्य डा. मुकेश शर्मा व महाविद्यालय अन्य कर्मचारी वर्ग इस शिविर में मौजूद रहे।

Scanned with CamScanner

नेहा बनी एच.पी.यू. में एस.सी.ए. अध्यक्ष

एच.पी.यू. की एस.सी.ए. में लड़कियों का दबदबा, एस.सी.ए. के 4 पदाधिकारियों में से 3 पर लड़कियां काबिज

शिमला, 15 अक्तूबर (अभिषेक) : हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय (एच.पी.यू.) केंद्रीय छात्र संघ (एस.सी.ए.) का गठन कर लिया गया है। शनिवार को विश्वविद्यालय प्रशासन ने तमाम औपचारिकताओं को पूरा करते हुए एस.सी.ए. का गठन किया। विश्वविद्यालय में 2 साल बाद एस.सी.ए. गठित हुई है। कोरोना काल के चलते बीते 2 वर्षों के दौरान एस.सी.ए. का गठन नहीं हो पाया था। 7वीं बार गठित हुई हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय की एस.सी.ए. में लड़कियों का दबदबा है। एस.सी.ए. के 4 पदाधिकारियों के पदों में से 3 पर लड़कियां काबिज हुई हैं। सत्र 2022-23 के लिए मैरिट के आधार पर गठित हुई इस एस.सी.ए. में विश्वविद्यालय के माइक्रोबायोलॉजी विभाग की छात्रा नेहा संधू नई अध्यक्ष नियुक्त हुई।

इसके अलावा विश्वविद्यालय के केमिस्ट्री विभाग की छात्रा [illegible] को उपाध्यक्ष, बायोसाइंस (जूलॉजी) [illegible]

इनका भी हुआ मनोनयन

बी.ए. तृतीय व 6वें सैमेस्टर के नियमित विद्यार्थियों में से 37 विद्यार्थी एस.सी.ए. में सदस्य मनोनीत हुए हैं। इनमें सुरेश कुमार, दीक्षा, [illegible], कृति नेगी, दीपिका ठाकुर, मनिका शर्मा, प्रियंका, [illegible] शर्मा, आकांक्षा शर्मा, दीक्षा वशिष्ठ, प्रीति, राजन ठाकुर, सुरीष, कृतिका मल्होत्रा, अमन, दीक्षांशी, आरती, ज्योति चौहान, आरती शर्मा, शिखा [illegible], अंकिता शर्मा, [illegible] ठाकुर, भाविका, हीना, [illegible], कुसुम लता, कृतिका, गौरव, कनिका शर्मा, रितिका, इशिका, सोनाली, सानिया व टेक चंद शामिल हैं। वहीं, एम.फिल./एलएलएम/एम.टैक. विद्यार्थियों से मनोनीत सदस्य के तौर पर कम्प्यूटर साइंस विभाग की सुकन्या कुमारी व साहिल ठाकुर, पीएच.डी. विद्यार्थियों से मनोनीत सदस्य परफॉर्मिंग आर्ट्स विभाग से [illegible] भारद्वाज, खेल वर्ग से नियमित विद्यार्थी के तौर पर केमिस्ट्री विभाग से अभिनव ठाकुर व बायोसाइंस विभाग से [illegible] शर्मा व सांस्कृतिक वर्ग से एस.सी.ए. के लिए मनोनीत विद्यार्थी के तौर पर शिक्षा विभाग से [illegible] व परफॉर्मिंग आर्ट्स विभाग से सुनिता ठाकुर का मनोनयन किया गया है।

शहर के कालेजों में एस.सी.ए. गठित

शिमला : राजकीय संस्कृत महाविद्यालय फागली में नवगठित एस.सी.ए. के पदाधिकारी संयुक्त चित्र में। (छाया)

उधर, राजधानी शिमला के विभिन्न महाविद्यालयों में शनिवार को एस.सी.ए. का गठन किया गया। राजकीय संस्कृत महाविद्यालय फागली में नवनिर्वाचित छात्र संघ (एस.सी.ए.) पदाधिकारियों एवं प्रतिनिधियों को महाविद्यालय के प्राचार्य डा. मुकेश शर्मा ने शपथ दिलाई। इस कार्यकारिणी में महाविद्यालय के शिक्षक एवं गैर-शिक्षक ने अपनी उपस्थिति दी। महाविद्यालय के प्राचार्य डा. मुकेश शर्मा ने महाविद्यालय में अध्यक्ष पद पर [illegible] शर्मा, उपाध्यक्ष पूनम, महासचिव साक्षी, सह सचिव साक्षी वर्मा को छात्र संघ के संविधान की शपथ दिलाई। इसी के साथ सभी कक्षा प्रतिनिधि, सांस्कृतिक प्रतिनिधि, क्रीड़ा प्रतिनिधि, पर्यटन प्रकोष्ठ प्रतिनिधि, महिला प्रकोष्ठ प्रतिनिधि, स्वच्छता प्रभारी, ईको क्लब प्रतिनिधि, सड़क सुरक्षा प्रतिनिधि, रेड रिबन प्रतिनिधि व प्रतिनिधियों को छात्र संघ अध्यक्ष ने शपथ दिलाई।

इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य ने छात्र संघ का महत्व एवं लोकतंत्र में छात्रों के सक्रिय सहभागिता अवश्य लोकतंत्र के लिए और राष्ट्र के लिए अनिवार्य बताया। कार्यक्रम का संचालन निर्वाचन अधिकारी डा. [illegible] भारद्वाज ने किया। इसके अलावा कोटशेरा कॉलेज में एस.सी.ए. प्रधान [illegible], उपप्रधान [illegible] ठाकुर, सचिव [illegible] शर्मा और संयुक्त सचिव [illegible] की नियुक्ति किया गया।

इसी प्रकार जवाहरलाल नेहरू फाइन आर्ट्स महाविद्यालय में एस.सी.ए. केंद्रीय छात्र परिषद 2022 के लिए मैरिट बेस पर नई कार्यकारिणी का गठन किया गया, जिसमें [illegible] ठाकुर को प्रधान, रजत चौहान को उपप्रधान, [illegible] को सचिव और [illegible] को संयुक्त सचिव नियुक्त किया गया।

आर.के.एम.वी. में [illegible] प्रधान, [illegible] कुमारी उपप्रधान, [illegible] कुमार सचिव व [illegible] सह सचिव नियुक्त की गई। बता दें कि फागली कॉलेज के अलावा अन्य किसी भी कॉलेज में नव नियुक्त एस.सी.ए. को शपथ नहीं दिलाई गई। यह शपथ आने वाले दिनों में [illegible]

Scanned with CamScanner